



e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY



INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 13, Issue 5, May 2024

ISSN INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 8.423

 9940 572 462

 6381 907 438

 ijirset@gmail.com

 www.ijirset.com

इतिहास पर मध्य युग का प्रभाव

चतरा राम मेघवाल

सहायक आचार्य, इतिहास

सारांश

मध्यकालीन काल या मध्य युग यूरोपीय इतिहास में लगभग 1000 वर्षों का काल था। मध्य युग की शुरुआत 476 ई. में रोमन साम्राज्य के अंत के आसपास हुई और 1492 तक चली जब क्रिस्टोफर कोलंबस नई दुनिया में पहुंचे। इतिहास के इस काल को कई अलग-अलग नामों से जाना जाता है। इसे अक्सर मध्य युग कहा जाता है क्योंकि यह शाही रोम के पतन और प्रारंभिक आधुनिक यूरोप के गठन के बीच का समय है। मध्यकालीन भारत वह काल है जो भारत के इतिहास की एक लंबी अवधि को कवर करता है। इसे मध्यकालीन भारतीय इतिहास के रूप में भी जाना जाता है। यह भारत के प्राचीन और आधुनिक काल के बीच का समय है। मध्यकालीन भारतीय इतिहास गुप्त साम्राज्य के अंत, जो 6वीं शताब्दी ई. में था, और मुगल साम्राज्य की शुरुआत, जो 1526 में हुई, के बीच के समय को इंगित करता है। भारतीय इतिहास को मोटे तौर पर तीन युगों में बांटा गया है— प्राचीन भारत, मध्यकालीन भारत और आधुनिक भारत। मध्यकालीन भारत इन तीनों में से दूसरा है। विचारों और जीवनशैली में बदलाव के लिहाज से इसे बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। व्यक्तिवादी सोच की निंदा की गई और पोप और चर्च का अधिकार भी काफी बढ़ गया। उस समय के राजाओं ने संगीत को पनपने दिया जिसके परिणामस्वरूप वाद्य संगीत का उदय और विकास हुआ। जहां तक संगीत का प्रश्न है, अमीर खुसरो, बाज बहादुर और उनकी पत्नी रूपमती उस युग के प्रमुख नाम थे। धर्म को सर्वाधिक महत्व दिया गया और इसलिए उसकी शिक्षाओं का आँख मूंदकर पालन किया गया। ईसाइयों और मुसलमानों के बीच सांस्कृतिक लड़ाइयों, जिन्हें धर्मयुद्ध कहा जाता है, का बहुत अलग प्रभाव पड़ा और उन्होंने यूरोपीय इतिहास की दिशा बदल दी। भारत के मध्यकालीन काल में कई ऐतिहासिक घटनाएं घटीं। भारत के पूरे मध्यकालीन काल को अलग-अलग वर्षों में बांटा गया है। अगर हम भारत के प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास की तुलना करें तो इसमें बहुत अंतर है। कई लोगों की अपने-अपने दृष्टिकोण के आधार पर मध्यकालीन भारत की अलग-अलग परिभाषाएँ हैं।

मूल शब्द : यूरोपीय इतिहास, मध्य युग, शास्त्रीय पुरातनता, अंधकार युग

प्रस्तावना

मध्य युग, जिसे सामान्यतः मध्यकाल कहा जाता है, लगभग 5वीं से 15वीं सदी तक के समय को संदर्भित करता है। यह युग प्राचीन इतिहास और आधुनिक इतिहास के बीच का पुल माना जाता है। इस काल को अंधकार युग भी कहा जाता है। जब रोमन साम्राज्य का पतन हुआ, तो इसकी बहुत सी तकनीक और संस्कृति नष्ट हो गई, और परिणामस्वरूप, शास्त्रीय पुरातनता में जीवन की अधिकांश व्यवस्था अव्यवस्थित हो गई। अधिक विशेष रूप से, अंधकार युग लगभग 800 ई. तक की अवधि को संदर्भित करता है। चूंकि बहुत से लोग लिख नहीं सकते थे और अक्सर कोई केंद्रीय सरकार विवरण और घटनाओं को रिकॉर्ड नहीं करती थी, इसलिए अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जो हम इस अवधि के बारे में नहीं जानते हैं। मध्यकालीन इतिहास में राजा, महल और धर्मयुद्ध शामिल थे। मैग्ना कार्टा पर हस्ताक्षर, ब्लैक डेथ जैसी सर्वनाशकारी महामारी और शारलेमेन और जोन ऑफ आर्क जैसे महान नेता जैसी महत्वपूर्ण घटनाएँ हुईं। चीजों को आसान बनाने के लिए, हम इस अवधि को तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं। इस अवधि ने इतिहास, संस्कृति, समाज, राजनीति, और विज्ञान पर गहरा प्रभाव डाला। इस आलेख में, हम मध्य युग के विभिन्न प्रभावों की विस्तृत चर्चा करेंगे।

1. सामाजिक प्रभाव

मध्य युग में सामाजिक संरचना बहुत जटिल और बहुस्तरीय थी। समाज मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित था: कुलीन वर्ग, पादरी वर्ग, और सामान्य लोग। यह युग फ्यूडलिज्म का था, जहाँ भूमि का स्वामित्व और सामाजिक स्थिति का निर्धारण भूमि के अधिग्रहण पर आधारित था।

- **कुलीन वर्ग** – ये राजा, रानी, ड्यूक, बैरन और अन्य उच्च श्रेणी के लोग थे। उनकी प्रमुख जिम्मेदारी शासन करना और अपने क्षेत्रों की रक्षा करना था।
- **पादरी वर्ग** – चर्च और धार्मिक संस्थाएँ समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। पादरी, बिशप, और पॉप धार्मिक मार्गदर्शन और शिक्षा प्रदान करते थे। उनके पास बड़ी मात्रा में भूमि और संपत्ति होती थी, जो उन्हें समाज में एक शक्तिशाली स्थिति प्रदान करती थी।
- **सामान्य लोग** – इनमें किसान, कारीगर, और व्यापारी शामिल थे। इनकी स्थिति निम्नतम मानी जाती थी और वे कुलीनों के लिए काम करते थे। किसान भूमि पर काम करते थे और उत्पाद का हिस्सा कुलीनों को देते थे।

2. धार्मिक प्रभाव

मध्य युग में धर्म का विशेष महत्व था। कैथोलिक चर्च ने समाज पर गहरा प्रभाव डाला और पापाओं ने राजनीतिक और धार्मिक सत्ता को एकत्रित किया।

- **चर्च का प्रभुत्व** – चर्च ने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन पर भी नियंत्रण किया। धार्मिक शिक्षा, धार्मिक अनुष्ठान, और धर्मनिर्देशों का पालन अनिवार्य था। चर्च ने कई विद्यालय और विश्वविद्यालयों की स्थापना की, जहाँ धार्मिक और सामान्य शिक्षा दी जाती थी।
- **धार्मिक युद्ध** – इस युग में क्रूसेड्स, धार्मिक युद्धों की श्रृंखला, हुई जिसमें यूरोप के ईसाई सैनिकों ने पवित्र भूमि को मुसलमानों से मुक्त कराने का प्रयास किया। इन युद्धों ने यूरोपीय समाज पर गहरा प्रभाव डाला और व्यापार, संस्कृति, और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया।

3. सांस्कृतिक प्रभाव

मध्य युग में कला, साहित्य, और वास्तुकला में महत्वपूर्ण विकास हुआ।

- **गॉथिक कला और वास्तुकला** – इस युग में गॉथिक कला और वास्तुकला का उदय हुआ। गॉथिक कैथेड्रल, चर्च, और महल जैसे महत्वपूर्ण संरचनाएँ बनाई गईं। इनकी विशेषताएँ उँचे टावर, स्टेन्ड ग्लास खिड़कियाँ, और विस्तृत सजावट थी। उदाहरण के लिए, नोत्रे डेम कैथेड्रल, पेरिस में।
- **साहित्य और शिक्षा** – इस समय में लैटिन भाषा में कई महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। गाथाएं, धार्मिक ग्रंथ, और वैज्ञानिक दस्तावेज इस युग की प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ थीं। विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई, जैसे ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज, जो उच्च शिक्षा का केंद्र बने।
- **संगीत और नृत्य** – धार्मिक और लोक संगीत दोनों ही महत्वपूर्ण थे। ग्रेगोरियन चान्ट्स और ट्रुबाडूर संगीत इस युग की प्रमुख संगीत विधाएँ थीं।

4. राजनीतिक प्रभाव

मध्य युग में राजनीतिक संरचना भी महत्वपूर्ण रूप से परिवर्तित हुई।

- **फ्यूडल प्रणाली** – भूमि स्वामित्व पर आधारित फ्यूडल प्रणाली ने समाज की संरचना को निर्धारित किया। राजा सबसे उच्च स्थान पर थे, जबकि ड्यूक, बैरन, और नाइट्स उनके नीचे आते थे। यह प्रणाली सुरक्षा और आर्थिक सहायता प्रदान करती थी लेकिन साथ ही समाज में कठोर वर्ग विभाजन को भी बढ़ावा देती थी।

- **राजनीतिक अस्थिरता** – इस युग में कई छोटे-छोटे राज्यों और रियासतों का उदय हुआ, जो अक्सर आपस में युद्धरत रहते थे। इन युद्धों ने राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दिया और संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा।
- **कानूनी सुधार** – इस युग में कानूनी संरचनाओं का विकास हुआ। स्थानीय कानूनों के अलावा, राजा और चर्च ने भी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में कानून बनाए। शमैग्ना कार्टाश जैसे दस्तावेजों ने कानूनी अधिकारों और स्वतंत्रताओं को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

5. वैज्ञानिक और तकनीकी प्रभाव

मध्य युग को अक्सर “डार्क एज” कहा जाता है, लेकिन इस अवधि में भी विज्ञान और तकनीक में महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

- **गुणात्मक अनुसंधान** – इस समय में विज्ञान और चिकित्सा में अनुसंधान ने महत्वपूर्ण प्रगति की। अरबी और यूनानी ग्रंथों का अनुवाद किया गया, जिससे विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में ज्ञान का विस्तार हुआ।
- **तकनीकी नवाचार** – कृषि, निर्माण, और युद्ध कला में कई तकनीकी नवाचार हुए। इसमें जल चक्की, पवन चक्की, और कृषि उपकरणों का विकास शामिल था। इन नवाचारों ने उत्पादन क्षमता को बढ़ाया और समाज की आर्थिक संरचना को प्रभावित किया।
- **चिकित्सा और स्वास्थ्य** – मध्य युग में चिकित्सा विज्ञान में भी प्रगति हुई। चिकित्सा विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई और चिकित्सा ग्रंथों का अनुवाद और प्रसार हुआ। हर्बल मेडिसिन और सर्जरी में भी महत्वपूर्ण विकास हुआ।

निष्कर्ष

मध्य युग का प्रभाव इतिहास पर अनिवार्य और व्यापक था। यह युग सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, और वैज्ञानिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आया। इन प्रभावों का अध्ययन हमें न केवल उस समय की समझ प्रदान करता है बल्कि आधुनिक समय के समाज और संस्कृति के विकास को भी समझने में मदद करता है। मध्य युग का प्रभाव आज भी विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है, और यह युग इतिहास के अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।



References:

1. Bloch, Marc. "Feudal Society". Translated by L.A. Manyon, University of Chicago Press, 1961.
2. Tierney, Brian. "The Crisis of Church and State, 1050-1300". University of Toronto Press, 1988.
3. Riley-Smith, Jonathan. "The Crusades: A History". 3rd ed., Yale University Press, 2014.
4. Calkins, Robert G. "Medieval Architecture in Western Europe: From A.D. 300 to 1500". Oxford University Press, 1998.
5. Curtius, Ernst Robert. "European Literature and the Latin Middle Ages". Translated by Willard R. Trask, Princeton University Press, 1990.
6. Cantor, Norman F. "The Civilization of the Middle Ages". Harper Perennial, 1993.
7. Southern, R. W. "The Making of the Middle Ages". Yale University Press, 1953.
8. Grant, Edward. "Physical Science in the Middle Ages". Cambridge University Press, 1977.
9. White, Lynn, Jr. "Medieval Technology and Social Change". Oxford University Press, 1962.



INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA



INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

 9940 572 462  6381 907 438  ijirset@gmail.com



www.ijirset.com

Scan to save the contact details